सत्र– 2018–2019

दिनांक 24 सितम्बर 2018 को पुनः इतिहास परिषद का गठन हुआ। जिसमें अध्यक्ष– उमेश वर्मा, उपाध्यक्ष–राजू, महामंत्री – शीबा अली, सहमंत्री कार्तिकेय, व कोषाध्यक्ष–निधि कुशवाहा बनी। दिनांक 03 अक्टूबर 2018 को एम0ए0 प्रथम व द्वितीय वर्ष एवं बी0ए0 प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष व तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं के मध्य एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विचारणीय विषय था ''महात्मा गाँधी के विचारों की प्रासंगिकता'' इस अवसर पर अधिकांश छात्र–छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

दिनांक 26 अक्टूबर 2018 को विभागीय कार्यक्रम के तहत दयानन्द वैदिक कालेज की इतिहास विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ0 शारदा अग्रवाल द्वारा ''नारी सश्क्तीकरण'' विषय पर विश्लेषणात्मक तथा ओजस्वी व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में एम0ए0 व बी0ए0 के अधिकांश छात्र–छात्राओं की सहभागिता रही। अन्त

में इतिहास विभाग की प्रभारी व कार्यक्रम संयोजिका डॉ0 मंजू जौहरी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

दिनांक 22 नवम्बर 2018 को इतिहास परिषद की ओर से तत्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एम0ए0 प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष व बी0ए0 तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भ्रष्टाचार, दहेज प्रथा, आतंकवाद की समस्या, राष्ट्र उत्थान में युवाओं की भूमिका विषय पर छात्र–छात्राओं ने अपने विचार प्रकट किये। इस प्रतियोगिता में उमेश वर्मा प्रथम स्थान, राजू द्वितीय स्थान एवं शीबाअली को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

दिनांक 25 जनवरी 2019 को इतिहास विभाग द्वारा "सिक्का प्रदर्शनी" का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जिला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी श्री कृष्ण मोहन, प्रबन्धकारिणी समिति के अवैतनिक मंत्री डॉ0 देवेन्द्र कुमार, उपाध्यक्ष डॉ0 हरि मोहन पुरवार, श्रीमती संध्या पुरवार, विशिष्ट अतिथि मु0 अयुब अहमद व प्राचार्य डॉ0 आनन्द कुमार खरे द्वारा किया गया। इतिहास विभाग प्रभारी डॉ0 मंजू जौहरी द्वारा अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम में डॉ0 हरिमोहन पुरवार द्वारा विदेशी सिक्कों पर विभिन्न देवी देवताओं व मुगल कालीन आदि , विशिष्ट अतिथि मु0 अयूब अहमद व हिन्दी विभाग के डॉ0 नीरज द्विवेदी द्वारा सिक्कों का विशेष संग्रह लगाया गया। इतिहास से एम0ए0 व बी0ए0 के विद्यार्थी व महाविद्यालय के अन्य विषयों के छात्र–छात्राओं द्वारा भी अपना संग्रह लगाया गया। इस अवसर पर डॉ0 हरिमोहन पुरवार ने "भारतीय विरासत में सिक्कों की उपयोगिता" से सम्बन्धित विषय पर अपना ओजस्वी सम्बोधन दिया। अन्त में सभी छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गये। महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी व अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ0 अलकारानी पुरवार द्वारा आभार प्रदर्शित किया गया।